RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 07 JULY TO 13 JULY 2021 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 46 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

चालू वित्त वर्ष में प्लास्टिक निर्यात 20-25 प्रतिशत बढ़ेगा : प्लेक्सकॉन्सिल

Page 2

जीएसटी संग्रह जून में घटकर 92,849 करोड़ रुपये पर, 10 महीने का निचला स्तर

Page 3

बहुप्रतीक्षित एसयूवी स्कॉडा कुशक का सद्गुरु स्कॉडा पर लॉन्च

Page 7

editoria!

निर्यात में उछाल

भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के नकारात्मक प्रभाव से त्रस्त तो है, लेकिन ठोस आधारों के कारण निवेश एवं निर्यात में उत्साहवर्द्धक वृद्धि हो रही है. वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 95.36 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात हुआ है, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है. पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में इस वर्ष अप्रैल, मई और जून में हुए निर्यात में 85 प्रतिशत की बड़ी उछाल आयी है. अप्रैल-जून, 2020 में यह आंकड़ा 51.44 अरब डॉलर रहा था. उल्लेखनीय है कि पिछले साल की तरह इस वर्ष भी अर्थव्यवस्था को कोरोना महामारी के भयावह प्रकोप को झेलना पड़ा था. महामारी से उत्पन्न स्थितियों के कारण आयात में भी बढ़त स्वाभाविक है, जिसकी वजह से जून में व्यापार घाटे में बढ़ोतरी हुई. लेकिन आयात से यह भी इंगित होता है कि घरेलू उद्योग व बाजार में मांग बढ़ रही है. इससे उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा और वित्त वर्ष के शेष हिस्से में भी निर्यात के मोर्चे पर उत्साहवर्द्धक परिणाम आयेंगे. हमें याद करना चाहिए कि पिछले साल जून में सब कुछ ठप होने के चलते आयात न के बराबर हुआ था, जिसके कारण व्यापार अधिशेष हासिल हुआ था. इसी विश्वास के आधार पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि इस वर्ष कुल निर्यात का आंकड़ा 400 अरब डॉलर तक पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा. पहली तिमाही की उपलब्धि को देखते हुए इस लक्ष्य को प्राप्त करना बड़ी चुनौती नहीं है. महामारी की दूसरी लहर अब बहुत कमजोर है तथा टीकाकरण अभियान जोरों पर है. लगभग डेढ़ साल के अनुभवों के आधार पर तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए तैयारी भी की जा रही है. देश के बड़े हिस्से से पाबंदियों को हटाया जा चुका है और औद्योगिक व कारोबारी गतिविधियां रफ्तार पकड़ रही हैं. निर्यात में वृद्धि से यह भी इंगित होता है कि पिछले साल महामारी के कहर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो आत्मनिर्भर भारत अभियान का प्रारंभ किया था, वह सही दिशा में अग्रसर है. इस अभियान का लक्ष्य भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थिति में लाना है. इसके तहत भारतीय उद्योगों और उद्यमों को न केवल बड़े पैमाने पर राहत दी गयी है, बल्कि नियमन में बदलाव कर कारोबार करने को सुगम बनाने का प्रयास भी किया गया है. राहत पैकेजों के अलावा बजट में तथा कुछ दिन पहले नयी घोषणाओं में आर्थिकी को विस्तार देने के उपाय किये गये हैं. इन उपायों से अर्थव्यवस्था के भविष्य में निवेशकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है. विशेषज्ञों की राय है कि मैकेनिकल मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल साजो-सामान, खेल से जुड़ीं चीजें, खिलौने, खेती के कुछ उत्पाद ऐसे क्षेत्र हैं, जहां निर्यात बढ़ाने की अच्छी संभावनाएं हैं. तकनीक, खासकर डिजिटल तकनीक और वित्तीय उपलब्धता के विस्तार ने भी निर्यात को बड़ा आधार दिया है. इन आयामों को प्राथमिकता देकर और नीतियों पर अमल कर निर्यात लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है.

महंगाई की मार

आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है पेट्रोल-डीजल की कीमत

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों ने आसमान छू लिया है। कोरोना काल में पेट्रोल की कीमतों ने लोगों को हलकान किया हुआ है। पिछले महीने से हर दूसरे दिन ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती के कारण कीमत बढ़ा रही हैं। सरकार भी तेल पर लगने वाले टैक्स में कटौती करने के पक्ष में नहीं है। मई के पहले सप्ताह से 35 से अधिक बार पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान ईंधन की दरों में सात से आठ रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई।

ओएमसी पर दरों को बनाए रखने का दबाव है क्योंकि देश में पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं। हालांकि, यह संभावना नहीं है कि वे वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए दरों को बनाए रखने में सक्षम होंगे।

उत्पादन बढ़ाने पर OPEC+ की नहीं हुई डील

इस महीने पेट्रोल और डीजल की कीमतें और बढ़ने की उम्मीद है। इसकी वजह कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतें होंगी। कच्चे तेल की कीमत में इजाफा इसलिए होगा क्योंकि सऊदी अरब और यूएई में तेल के उत्पादन को लेकर के ठन गई है। ओपेकह तेल के उत्पादन पर नियंत्रण चाहता है, जिसपर यूएई को एतराज है।

अक्तूबर 2018 के बाद पहली बार 77 डॉलर के पार ब्रेंट क्रूड ऑयल

ब्रेंट क्रूड ऑयल अक्तुबर 2018 के बाद पहली बार 77 डॉलर के पार निकला है। उत्पादन बढ़ाने पर ओपेकह की बात नहीं बनी। साथ ही अगली बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है। ओपेकह के सदस्य सऊदी अरब और रूस अगस्त से वर्ष के अंत तक प्रतिदिन 4,00,000 बैरल तेल उत्पादन बढ़ाने के पक्ष में हैं। यूएई अभी तक इस प्रस्ताव पर सहमत नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, यदि तेल उत्पादन और आपूर्ति का स्तर बढ़ती वैश्विक मांग के अनुरूप नहीं बढ़ता है, तो इससे कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

भारत ने ओपेक से कहा- कच्चे तेल की कीमतें काफी चुनौतीपूर्ण

हाल ही में भारत ने कहा था कि कच्चे तेल का मौजूदा मूल्य काफी चुनौतीपूर्ण है और दरों को थोड़ा नीचे लाए जाने की जरूरत है। तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) की बैठक से पहले भारत ने कहा कि कहीं ऐसा न हो कि तेल की ऊंची कीमत का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था में जो उपभोग आधारित पुनरुद्धार की प्रक्रिया शुरू हुई है, उस पर पड़ने लगे। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि भारत कीमत को लेकर संवेदनशील बाजार है और वह जहां कहीं भी प्रतिस्पर्धी दर होगी, वहां से तेल खरीदेगा।

तेल पर भिड़े सऊदी और UAE

बढ़ा भारत का संकट

नई दिल्ली। एजेंसी

तेल की कीमतों में इजाफा थमने की उम्मीद नजर नहीं आ रही है, बल्कि दाम में बढ़ोतरी की संभावना बढ़ गई है। क्योंकि तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक प्लस देशों के बीच प्रोडक्शन बढ़ाने को लेकर कोई रजामंदी नहीं बन पाई है। सऊदी अरब और यूएई में आउटपुट डील को लेकर ठन गई है।

सऊदी अरब ने तेल उत्पादन न बढ़ाने की मौजूदा डील को साल 2022 तक विस्तार देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन यूएई इससे सहमत नहीं है। संयुक्त अरब अमीरात ने ओपेक और अन्य तेल उत्पादक देशों के तेल प्रोडक्शन में कटौती के फैसले का विरोध किया। यूएई इस डील को अपनी शर्तों पर आगे बढ़ने के लिए अड़ा हुआ है। यूएई का कहना है कि वह अपना तेल उत्पादन बढ़ाए बिना डील को आगे बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगा. उसने तेल उत्पादन बढ़ाये बिना डील को 2022 तक बढ़ाने के प्रस्ताव को अपने साथ नाइंसाफी करार दिया। दोनों देशों में इस मुद्दे पर मतभेद इतना बढ़ गया कि बिना किसी नतीजे के बैठक खत्म हो गई, और आगे मीटिंग कब होगी यह भी तय नहीं हो पाया। यूएई तेल उत्पादन में चरणबद्ध वृद्धि के साथ मौजूदा सौदे को 2022 तक बढ़ाने के सऊदी के प्रस्ताव का विरोध कर रहा है। तेल की मांगों में कमी की वजह से कच्चे तेल के दामों में कमी दर्ज की गई थी। इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए उत्पादन को कम करने का फैसला किया गया था। सऊदी अरब ओपेक के सिर्फ एक सदस्य देश के लिए उत्पादन बेसलाइन में संशोधन का भी विरोध कर रहा है। सऊदी का मानना है कि अगर एक देश के लिए यह रियायत दी गई तो अन्य देश भी इसकी मांग करने लगेंगे।

बहरहाल, सऊदी और यूएई के बीच तकरार का नतीजा यह होगा कि अगस्त में होने वाली सप्लाई में अपेक्षाकृत कोई बढ़ोतरी नहीं होगी. यह विशेष रूप से अमेरिका, यूरोप, चीन और भारत से मांग में वृद्धि के रूप में बाजार को मजबूत करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह यूएई ने उत्पादन बढ़ाने के प्रस्ताव को रोक दिया था. वह अपने लिए बेहतर शर्तों की मांग कर रहा था. वहीं सऊदी अरब ने इस साल अगस्त से दिसंबर तक रोजाना 2 मिलियन बैरल तेल उत्पादन बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था। लेकिन उसने तेल उत्पादन में कटौती को 2020 तक जारी रखने का भी प्रस्ताव रखा था। इसका मतलब है कि भारत में तेल की कीमतें तब तक बढ़ती रहेंगी जब तक कि केंद्र सरकार पिछले साल बढ़ाए गए टैक्स को कम नहीं करती है। भारत की कच्चे तेल की खरीद लागत जनवरी में लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 75 डॉलर हो गई है।

नतीजतन, पेट्रोल फिलहाल 100 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बिक रहा है। डीजल भी देश के अधिकांश हिस्सों में 100 रुपये लीटर की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। पिछले साल सरकार ने तेल पर काफी टैक्स बढ़ा दिए थे। इसकी वजह से तेल की कीमतों में काफी इजाफा हुआ था। केंद्र ने पिछले साल मार्च से मई के बीच पेट्रोल पर 13 रुपये और डीजल पर 16 रुपये उत्पाद शुल्क बढ़ाया था। भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल उत्पादन बढ़ाने की मांग करता रहा है। लेकिन ओपेक देशों ने इससे मना कर दिया। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओपेक देशों से तेल प्रोडक्शन पर लागू नियंत्रण को हटाने का आग्रह किया था, लेकिन सऊदी अरब का कहना था कि पिछले साल जब इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें कम थीं, उस समय खरीदे गए तेल का उपयोग भारत कर सकता है।

भारत ने गुयाना से 10 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत ने पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद में विविधीकरण लाते हुये गुयाना से 10 लाख बैरल 'लीज़ा लाइट स्वीट' कच्चे तेल की पहली खरीद की है। दक्षिण अमेरिका के इस देश में स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि यह खेप 'इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड' के लिये लिजा डेस्टनी एफपीएसओ से उठाई गई है और इससे दोनों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का पता चलता है। भारत ज्यादातर तेल खाड़ी देशों से ही खरीदता है। अनुमान है गुयाना से कच्चे तेल की यह खेप पारादीप बंदरगाह पर 6 अगस्त को पहुंच जायेगी। उच्चायोग ने कहा कि कच्चे तेल की यह खरीद भारत और गुयाना के बीच बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग को परिलक्षित करता है।

चालू वित्त वर्ष में प्लास्टिक निर्यात 20-25 प्रतिशत बढ़ेगा : प्लेक्सकॉन्सिल

नयी दिल्ली। देश का प्लास्टिक के सामानों का निर्यात चालू वित्त वर्ष में 20 से 25 प्रतिशत बढ़कर 12 अरब डॉलर पर पहुंच जाने की उम्मीद है। भारतीय प्लास्टिक निर्यात संवर्द्धन परिषद (प्लेक्सकॉन्सिल) के चेयरमैन अरविंद गोयनका ने कहा कि अनुकूल बाजार परिस्थितियों तथा अमेरिका और यूरोप जैसे महत्वपूर्ण गंतव्यों से मांग में सुधार की वजह से प्लास्टिक निर्यात में उल्लेखनीय इजाफा होगा।

गोयनका ने कहा कि निर्यातकों के पास इस समय अच्छे आर्डर है। लेकिन कुछ क्षेत्रों में सरकार के समर्थन की जरूरत है, क्योंकि यह क्षेत्र रोजगार सृजन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''2021-22 में हम निर्यात में 20 से 25 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। यह 2020-21 के 9.5 अरब डॉलर से बढ़कर 12 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-मई की अवधि में हमने एक अरब डॉलर मूल्य के सामान का निर्यात किया है। सरकार के समर्थन से हम निर्यात को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकेंगे।''

गोयनका ने कहा कि यह क्षेत्र कई चुनौतियों मसलन कच्चे माल की अपर्याप्त उपलब्धता तथा कीमतों में बढ़ोतरी के साथ ढुलाई भाड़े में वृद्धि, कंटेनरों की कमी और कुछ मुक्त व्यापार करारों की वजह से उलट शुल्क ढांचे (जहां आयातित माल की तुलना में कच्चे या मध्यवर्ती मामल पर कर की दर ऊंची होती है) का सामना कर रहा है। उलट शुल्क ढांचे में कच्चे माल पर कराधान तैयार उत्पाद से अधिक होता है। उन्होंने कहा कि आसियान के सदस्यों थाइलैंड और वियतनाम के साथ भारत का मुक्त व्यापार करार है। ये इस क्षेत्र के प्रमुख खिलाड़ी हैं और उन्हें करार की वजह से भारतीय बाजार में तरजीही पहुंच उपलब्ध हो रही है।

गेल के चेयरमैन ने कहा, गैस मुख्य कारोबार रहेगा, वृद्धि के लिए पेट्रोरसायन क्षेत्र पर नजर

नयी दिल्ली। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल इंडिया लि. पेट्रोरसायन क्षेत्र में विस्तार की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन मनोज जैन ने कहा कि स्पेशियल्टी रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा उसकी नई रणनीति है जिसके जरिये कंपनी प्राकृतिक गैस से आगे अपने कारोबार का विस्तार कर सकती है।

गेल के चेयरमैन ने एजेंसी से साक्षात्कार में कहा कि कंपनी ने भविष्य की संशोधित रूपरेखा 'रणनीति 2030' को अपनाया है। यह कंपनी की अगले दशक की यात्रा को परिभाषित करेगी। देश की सबसे बड़ी गैस विपणन कंपनी के प्रमुख ने कहा, ''इस रणनीतिक योजना से हमें बदलते उद्योग परिदृश्य में चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी और भौगोलिक विस्तार के साथ हमें वृद्धि का नया क्षेत्र उपलब्ध होगा।'' गेल ने अपने 13,340 किलोमीटर के प्राकृतिक गैस ट्रंक पाइपलाइन के नेटवर्क के जरिये देश में कुल गैस में से 70 प्रतिशत का परिवहन किया है।

कंपनी देश में बिकने वाली कुल प्राकृतिक गैस में से 55 प्रतिशत की बिक्री करती है। कंपनी के उत्तर प्रदेश के पाता तथा असम के लेपेटकाटा में पेट्रोरसायन संयंत्र हैं। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 17.5 प्रतिशत है। जैन ने कहा कि कंपनी महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के उसार में मौजूदा एलपीजी संयंत्र को 2023-24 तक 8,800 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 5,00,000 टन सालाना के पोलीप्रोपोलीन परिसर में बदलेगी।

उन्होंने कहा कि भविष्य में पोलिथिलीन और पोलीप्रोपोलीन की भारी मांग को पूरा करने के लिए कंपनी पेट्रोरसायन क्षेत्र में अवसर तलाशेगी। उन्होंने कहा, ''हम भारत में चुनिंदा स्पेशियल्टी रसायनों के लिए अवसरों का आकलन कर रहे हैं। गेल के पास पवन और सौर बिजली उत्पादन क्षमता का 120 मेगावॉट का छोटा पोर्टफोलियो है। कंपनी का इरादा अगले तीन से चार साल में 4,000 करोड़ रुपये के निवेश से इसे बढ़ाकर एक गीगावॉट (1हजार मेगावाट)करने का है। जैन ने कहा, ''गैस हमारा प्रमुख खंड रहेगा, लेकिन हम पेट्रोरसायन, स्पेशियल्टी रसायन, नवीकरणीय ऊर्जा और जल जैसे क्षेत्रों में भी वृद्धि के अवसर तलाशेंगे।'' गेल राष्ट्रीय गैस ग्रिड के महत्वपूर्ण खंडों को बिडाने के लिए 32,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है।

ओएनजीसी ने परियोजनाओं के लिए 30,000 करोड़ रुपए की खरीद करने की प्रतिबद्धता जतायी

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकारी कंपनी ओएनजीसी ने रविवार को कहा कि वह अपने तेल एवं गैस उत्खनन और उत्पादन परिचालन के काम के लिए 30,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के उपकरण और सेवाओं की खरीद करेगी।उसका कहना है कि इससे स्थानीय इकाइयों के कारोबार एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान में मदद मिलेगी।

कंपनी ने एक बयान में कहा, 'तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। ये मुख्य रूप से पारदर्शिता बढ़ाने और अनुबंध कार्यों को सुव्यवस्थित करने पर केंद्रित हैं। इनसे ओएनजीसी के व्यापारिक भागीदारों के लिए एक व्यापार अनुकूल वातावण सुधरेगा।' ओएनजीसी ने अपने यहां अनुबंध पर कारोबार करने वाली इकायों की सुगमता बढ़ाने उद्देश्य से एक विशेष ऑनलाइन व्यापार भागीदार सम्मेलन 'बिल्डिंग ब्रिजेज इन ओएनजीसीज सप्लाई चेनः आत्मनिर्भर भारतः प्रॉस्पेरस इंडिया 'का आयोजन किया।

कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुभाष कुमार ने कंपनी के निदेशकों के साथ मिलकर उपकरण एवं सेवा प्रदाताओं के साथ बातचीत की तथा प्रक्रियाओं को और बेहतर करने एवं आसान बनाने के लिए उनसे सुझाव लिए। बयान के अनुसार, 'ओएनजीसी को वित्तीय वर्ष 2021-22 में अपने यहां बड़ी एलएसटीके (कुल मिला कर पूरी तहर बाहरी कंपनी से पूर्ण करायी जाने वाली परियोजनाओं पर 15,500 करोड़ रुपए, प्रमुख सेवाओं पर 13,600 करोड़ रुपए और प्रमुख सामग्री की खरीद पर 2,250 करोड़ रुपए का खर्च करने का अनुमान है।' उन्होंने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए प्रौद्योगिकी आधारित प्रकिया अपनायी जा रही है ताकि इसमें परदर्शिता बढ़े। कंपनी के निदेशक (प्रौद्योगिकी एवं परियोजना-स्थल सेवाएं) ओपी सिंह ने कहा कि ओएनजीसी आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुसार स्थानीयकरण को प्रोत्साहन दे रही है।

कच्चे तेल के ऊंचे दाम से डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे गिरकर 74.55 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल के बढ़ते दाम से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 24 पैसे गिरकर 74.55 रुपये प्रति डालर पर बंद हुई। अन्तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 74.28 पर खुला। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 74.25 और नीचे में 74.62 रुपये प्रति डालर के दायरे में घट बढ़ के बाद अंत में पिछले कारोबारी सत्र के मुकाबले 24 पैसे की गिरावट दर्शाता 74.55 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक, श्रीराम अय्यर ने कहा कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। देश का व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है और अंततः इससे रुपया भी प्रभावित होगा। बहरहाल, बाजार का ध्यान अभी भी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति के ब्योरेपर है जो कि बुधवार को जारी होने वाला है। अमेरिका की मौद्रिक नीति के बारे में इसमें कोई संकेत मिल सकता है। उन्होंने कहा कि बैठक के ब्यौरे में मुद्रास्फीति की स्थिति को लेकर अधिक गहराई से जानकारी मिल सकती है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 प्रतिशत बढ़कर 92.38 अंक हो गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 18.82 अंक गिरकर 52,861.18 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक खनिज तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 0.19 प्रतिशत बढ़कर 77.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बीपीसीएल ने दो दशक में 80 पेटेंट्स प्राप्त किये, 50 आवेदन पर स्वीकृति प्रतीक्षित

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (बीपीसीएल) को पिछले दो दशक में 80 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट प्राप्त हुए हैं, जबकि उसे 53 से अधिक मामलों में स्वीकृति की प्रतीक्षा है। इसमें एक पेटेंट की इस सूची में कच्चे तेल की परख करने वाला सबसे तेज और सबसे सस्ता उपकरण बीपीमार्क भी शामिल है।

कंपनी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में स्थित उसके अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) केंद्र ने अकेले 18 पेटेंट पिछले 12 महीनों में प्राप्त किये हैं। बीपीसीएल का आर एंड डी बजट 80 से 100 करोड़ रुपये वार्षिक का है। बीपीसीएल के निदेशक (रिफाइनरी और मार्केटिंग) अरुण कुमार सिंह ने रविवार को बातचीत में कहा, ''पिछले दो दशकमें हमने 80 पेटेंट हासिल किये हैं तथा 53 मामलों में अभी स्वीकृति मिलनी बाकी है। जुलाई 2020 से लेकर अबतक हमने 18 पेटेंट अपने नाम किये हैं।'' उन्होंने कहा कि केंद्र के सबसे प्रसिद्ध पेटेंट नवाचारों में से एक बीपीमार्क है। जो कच्चे तेल की उन्नत परख के लिए एक उपकरण है। यह पारंपरिक परख तरीकों के मुकाबले बेहद कम समय में कच्चे तेल की विशेषता और मूल्यांकन करता है। पुरानी प्रक्रिया में कच्चे तेल की परख में कम से कम एक महीना लगता है।

सिंह ने कहा कि कंपनी का नया पेटेंट आवेदन अधिक लौ प्रदान करने वाले एलपीजी गैस स्टोव (भारतीय पेटेंट कार्यालय में चार पेटेंट के आवेदन और चार डिजाइन पंजीकरण के आवेदन) के लिए है। ये स्टोव मौजूदा स्टोव की गैस-से ताप के संबंध में 68 प्रतिशत दक्षता के मुकाबले छह प्रतिशत अधिक ताप प्रदान करते है। इस नवाचार से हर परिवार को भोजन पकाने में औसतन सालाना एक एलपीजी सिलेंडर की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इस उच्च दक्षता वाले एलपीजी स्टोव 'भारत हाई स्टार' को रविवार को अनुसंधान एवं विकास केंद्र की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर पेश किया गया। इस स्टोव की दक्षता 74 प्रतिशत है तथा इसका आग निकालने वाला हिस्सा बेहतर लौ प्रदान करता है। सिंह ने कहा कि यदि यह गैस स्टोव सभी घरों में पंहुचा दिया जाता है तो इससे सालाना 17 लाख टन एलपीजी यानी सात हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने कहा कि एलपीजी की खपत सालाना लगभग 2.8 करोड़ टन है और मांग औसतन छह प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इसके जल्द ही तीन करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है।

जीएसटी संग्रह जून में घटकर 92,849 करोड़ रुपये पर, 10 महीने का निचला स्तर

नयी दिल्ली। एजेंसी

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जून में घटकर 92,849 करोड़ रुपये पर आ गया है। यह आठ महीने में पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से नीचे आया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर की वजह से लगाए गए लॉकडाउन का जीएसटी संग्रह के आंकड़ों पर भी असर पड़ा है। मंत्रालय ने कहा कि जून में सकल जीएसटी संग्रह 92,849 करोड़ रुपये रहा। यह 10 महीने यानी अगस्त, 2020 से जीएसटी संग्रह का सबसे निचला स्तर है। उस समय जीएसटी संग्रह 86,449 करोड़ रुपये रहा था।

जून में कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी का हिस्सा 16,424 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी का हिस्सा 20,397 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी का हिस्सा 49,079 करोड़ रुपये (जिसमें 25,762 करोड़ रुपये वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए) रहा। इसमें उपकर का हिस्सा 6,949 करोड़ रुपये रहा। उपकर में 809 करोड़ रुपये वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए।

जून, 2021 में जीएसटी राजस्व पिछले साल के समान महीने से दो प्रतिशत अधिक रहा। जून, 2020 में जीएसटी संग्रह 90,917 करोड़ रुपये रहा था। इससे पहले लगातार आठ महीने तक जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा था। मई में जीएसटी संग्रह 1.02 लाख करोड़ रुपये रहा था। जून, 2021 का जीएसटी संग्रह मई, 2021 में कारोबारी लेनदेन पर आधारित है। मई में ज्यादातर राज्य/संघ शासित प्रदेश कोविड-19 महामारी की वजह से पूर्ण या आंशिक रूप से लॉकडाउन में रहे थे। मंत्रालय ने कहा कि जून माह के लिए ई-वे बिल के आंकड़ों से पता चलता है कि आगामी महीनों में जीएसटी राजस्व बढ़ेगा। जून, 2021 में 5.5 करोड़ ई-वे बिल निकाले गए है जिससे व्यापार और कारोबार में सुधार का संकेत मिलता है। मई में 3.99 करोड़ और अप्रैल में 5.88 करोड़ ई-वे बिल निकाले गए थे। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जून में 10 माह के निचले स्तर पर आने के बावजूद जीएसटी संग्रह का आंकड़ा सकारात्मक रूप से हैरान करने वाला है। ''कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीएसटी संग्रह का आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही से दोगुना ऊंचा रहा है, जिससे पता चलता है कि कोविड-19 की दूसरी लहर की वजह से लगाए गए लॉकडाउन का असर काफी सीमित रहा है।'' डेलॉयट इंडिया के वरिष्ठ निदेशक एम एस मणि ने कहा कि जून का संग्रह मई, 2021 के लेनदेन पर आधारित है। उस समय अर्थव्यवस्था महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुई थी। इस दृष्टि से यह आंकड़ा संतोषजनक है। ईवाई के कर भागीदार अभिषेक जैन ने कहा कि जून का संग्रह का आंकड़ा मई की आपूर्ति पर आधारित है। उस समय देश के कई हिस्सों में लॉकडाउन था। ऐसे में संग्रह में यह गिरावट उम्मीद के अनुरूप है।

SBI ने खाते में मिनिमम बैलेंस को लेकर बताया नया 'नियम'

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने खाते में न्यूनतम राशि को लेकर एक नई जानकारी दी है. इसमें बताया गया है कि ग्राहक को मिनिमम बैलेंस कब से चुकाना होगा। स्टेट बैंक ने मैसेज चार्ज के बारे में भी बताया है। बैंक के मुताबिक, जिस तारीख से मैसेज चार्ज फ्री किया गया है, उस तारीख के बाद से कोई शुल्क नहीं लगेगा। लेकिन उस तारीख से पहले किसी ने मिनिमम बैलेंस नहीं बनाए रखा है, तो उसकी अदायगी करनी होगी।

SBI ने एक ट्वीट में लिखा है, 'कृपया ध्यान दें कि मिनिमम बैलेंस और संदेश का शुल्कजिस तिथि से नहीं लगने की बैंक ने घोषणा की है, उस तिथि से पहले अगर आपका कोई शुल्क देय है तो उसका भुगतान करना होगा'. इस ट्वीट के माध्यम से स्टेट बैंक ने ग्राहकों को बताया है कि अगर निश्चित तारीख से पहले अगर खाते में मिनिमम शुल्क नहीं रखा गया है और इस मद में बैंक की कोई अदायगी बनती है, तो उसे चुकाना होगा। इसका अर्थ हुआ कि ग्राहक को यह ध्यान रखना है कि उसका मिनिमम बैलेंस पहले से पेंडिंग नहीं है। अगर है तो उसे समय पर चुका देना चाहिए।

क्या कहा SBI ने

बैंक में मिनिम बैलेंस को तकनीकी भाषा में एवरेज मंथली बैलेंस या AMB कहते हैं। देश के सबसे बड़े बैंक SBI ने पिछले साल ऐलान किया था कि सभी सेविंग बैंक खाते पर एवरेज मिनिमम बैलेंस को माफ कर दिया गया है। नियम के मुताबिक मेट्रो शहरों में एसबीआई सेविंग खाते पर एएमबी 3,000 रुपये, अर्ध शहरी क्षेत्रों में एएमबी 2,000 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों की एसबीआई शाखा में सेविंग अकाउंट पर एएमबी 1,000 रुपये रखी गई थी। बैंक ने इस राशि को बनाए रखने के नियम को हटा दिया था। मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर 5-15 रुपये प्लस जीएसटी जोड़कर वसूला जाता था। इसी के साथ स्टेट बैंक ने एसएमएस चार्ज भी माफ कर दिया था।

सरकार ने ई-वाणिज्य के लिए 'ओपन नेटवर्क' अपनाने को लेकर परामर्श परिषद का गठन किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) के डिजाइन और उसको तेजी से अपनाने के लिए जरूरी कदमों के निर्धारण के लिए नौ सदस्यीय परामर्श परिषद का गठन किया है। परिषद के सदस्यों में इंफोसिस के सह संस्थापक नंदन नीलेकणि और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ आर एस शर्मा शामिल हैं।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक आदेश में कहा कि उसने ओएनडीसी से जुड़ी एक परियोजना शुरू की है और यह काम भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) को सौंपा गया है। इसमें कहा गया, ' ओएनडीसी का लक्ष्य किसी भी खास मंच से असंबद्ध मुक्त विनिर्देशों एवं ओपन नेटवर्क प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर मुक्त स्रोत के तौर-तरीकों से विकसित ओपन नेटवर्क को बढ़ावा देना है।'

इससे पूरी मूल्य श्रृंखला का डिजिटलीकरण होने, मानकीकृत परिचालन,आपूर्तिकर्ताओं की भागीदारी को बढ़ावा देने आदि की उम्मीद है। परिषद के दूसरे सदस्यों में क्यूसीआई के अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई, अवाना कैपिटल की संस्थापक अंजलि बंसल, डिजिटल इंडिया फाउंडेशन के सह-संस्थापक अरविंद गुप्ता, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के सीईओ दिलीप अस्बे, नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी के प्रबंध निदेशक सुरेश सेठी, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन शामिल हैं।

आयकर विभाग ने विदेश से प्राप्त धन से संबंधित फार्म भरने की समयसीमा 15 जुलाई तक बढ़ाई

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आयकर विभाग ने सोमवार को विदेशों से प्रेषित धन के मामले में हाथ से भरी जाने विवरण को प्रस्तुत करने की समयसीमा को 15 जुलाई तक के लिये बढ़ा दिया है। आयकर विभाग के नये पोर्टल की सात जून को शुरुआत होने के बाद इस्तेमाल करने वाले कई लोगों ने इसमें आने वाली तकनीकी समस्या को लेकर शिकायत की। इसके बाद विभाग ने विदेशी प्राप्तियों के संबंध में भरे जाने वाले फार्म 15सीए..15सीबी को बैंकों में 30 जून तक भरने की अनुमति दे दी थी।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा, ''अब यह तय किया गया है कि उपरोक्त तिथि को आगे बढ़ाकर 15 जुलाई 2021 कर दिया गया है। इसे देखते हुये करदाता अब उपरोक्त फार्म को हाथ से भरकर 15 जुलाई 2021 तक प्राधिकृत डीलर के पास जमा करा सकते हैं।''

आयकर अधिनियम 1961 के तहत 15सीए..15सीबी को इलेक्ट्रानिक तरीके से भरना होता है। वर्तमान में करदाता 15सीए फार्म को जहां जरूरी होता है, फार्म 15सीबी में चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाणपत्र के साथ प्राधिकृत डीलर को काफपी सौंपने से पहले ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपलोड करते हैं। सीबीडीटी ने प्राधकृत डीलरों को भी सलाह है कि वह विदेशी धन प्राप्ति के मामलने में 15 जुलाई तक मैनयुअल फार्म स्वीकार कर लें।

UIDAI ने बंद की आधार से जुड़ी ये दो सेवाएं, आप पर पड़ेगा असर

एजेंसी।

प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए आधार कार्ड महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह केवल एक दस्तावेज ही नहीं है, बल्कि पहचान पत्र है। किसी भी वित्तीय लेनदेन और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आधार बेहद जरूरी है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) आधार से जुड़ी सेवाएं देखने वाली अथॉरिटी है। नागरिकों के हित के लिए यूआईडीएआई समय-समय पर महत्वपूर्ण जानकारी देता रहता है। यूआईडीएआई ने आधार से जुड़ी दो खास सुविधाओं को अनिश्चित समय तक के लिए बंद कर दिया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने एड्रेस वैलिडेशन लेटर के जरिए आधार कार्ड में पता अपडेट कराने की सुविधा और पुराने स्टाइल वाला लंबा-चौड़ा आधार कार्ड रीप्रिंट करने की सेवा को बंद कर दिया है।

एड्रेस वैलिडेशन लेटर

यूआईडीएआई ने एड्रेस वैलिडेशन लेटर के जरिए आधार अपडेट कराने की सुविधा को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया है। यूआईडीएआई की वेबसाइट से एड्रेस वैलिडेशन लेटर से जुड़ा विकल्प हट गया है। इसलिए आप अपडेशन के लिए किसी अन्य तरीके का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप अन्य वैलिड एड्रेस प्रूफ की इस सूची- (https://uidai.gov.in/images/commdoc/valid_documents_list.pdf) में से किसी भी एक एड्रेस प्रूफ के जरिए अपना एड्रेस अपडेट करा सकते हैं। इसका सीधा असर किराए पर रहने वाले लोगों पर पड़ेगा क्योंकि किराएदार या अन्य आधार कार्ड होल्डर्स इसके जरिए अपना एड्रेस आसानी से अपडेट करा पाते थे। इसके अलावा जिन लोगों के पास एड्रेस में संशोधन के लिए कोई दस्तावेज नहीं है उनको भी परेशानी हो सकती है.

UIDAI ने बंद की रीप्रिंट की सुविधा

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार कार्ड रीप्रिंट का फॉर्मेट बदल दिया है। यूआईडीएआई अब पॉलिविनाइल क्लोराइड (इन्न्) आधार कार्ड जारी करता है। यह पुराने स्टाइल वाले लंबा-चौड़ा आधार कार्ड के मुकाबले बेहद आकर्षक है और एटीएम कार्ड जितना छोटा है। ऐसे में पानी से खराब होने या टूटने का डर नहीं रहेगा। इसलिए इसे आप आसानी से अपनी जेब में रख सकते हैं।

50 रुपये लगेगा शुल्क

पीवीसी कार्ड पर आधार को प्रिंट करवाने और घर तक मंगवाने के लिए आपको महज 50 रुपये का शुल्क देना होग। यदि आपके परिवार में चार लोग हैं तो आपको 200 रुपये का शुल्क अदा करना होगा। एक ग्राहक द्वारा आधार कार्ड हेल्पलाइन से रीप्रिंट को लेकर पूछे गए सवाल पर आधार हेल्प सेंटर ने बताया कि आप ऑनलाइन माध्यम से आधार पीवीसी कार्ड ऑर्डर कर सकते हैं। वहीं अगर आप आधार को फ्लेक्सिबल पेपर फॉर्मेट में रखना चाहते हैं तो आप ई-आधार का प्रिंट निकलवा सकते हैं।

सोना वायदा कीमतों में तेजी, चांदी हुई और मजबूत, कच्चे तेल में भड़की आग

नई दिल्ली। एजेंसी

मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की, जिससे स्थानीय वायदा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 218 रुपये की तेजी के साथ 47,902 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं चांदी जहां 468 रुपये की तेजी के साथ 69,980 रुपये प्रति किलो हो गई वहीं, कच्चे तेल की कीमत 37 रुपये की तेजी के साथ 5,534 रुपये प्रति बैरल हो गई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू बाजार में चांदी में तेजी के रुख के कारण कारोबारियों ने ताजा सौदों की लिवाली की, जिससे वायदा कारोबार में सोने-चांदी कीमतों में तेजी आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त महीने की डिलिवरी के लिए सोने की कीमत 218 रुपये यानी 0.46 फीसद की तेजी के साथ 47,902 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसमें 10,393 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में लाभ दर्ज हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयार्क में सोने की कीमत 0.72 फीसद की तेजी के साथ 1,807.20 डॉलर प्रति औंस हो गई।

चांदी वायदा कीमतों में तेजी

वायदा कारोबार में बुधवार को चांदी की कीमत 468 रुपये की तेजी के साथ 69,980 रुपये प्रति किलो हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर डिलीवरी वाले वायदा अनुबंध का भाव 468 रुपये यानी 0.67 फीसद की तेजी के साथ 69,980 रुपये प्रति किलो हो गया। इस वायदा अनुबंध में 10,034 लॉट के लिये सौदे किए गए। वैश्विक स्तर पर, न्यूयार्क में चांदी का भाव 1.05 फीसद की तेजी के साथ 26.45 डालर प्रति औंस हो गया।

हाजिर मांग के कारण कच्चातेल वायदा कीमतों में तेजी

वायदा कारोबार में बुधवार को कच्चा तेल की कीमत 37 रुपये की तेजी के साथ 5,534 रुपये प्रति बैरल हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के जुलाई डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 37 रुपये अथवा 0.67 फीसद की तेजी के साथ 5,534 रुपये प्रति बैरल हो गई जिसमें 5,562 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चातेल कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का दाम 1.04 फीसद घटकर 74.13 डालर प्रति बैरल रह गया। वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड का दाम 0.87 फीसद बढ़कर 75.18 डालर प्रति बैरल हो गया।

फिच ने 2021-22 के भारत की वृद्धि दर का अनुमान को घटाकर 10 प्रतिशत किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

फिच रेटिंग्स ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि के अनुमान को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया, जो पिछले अनुमान के मुताबिक 12.8 फीसदी था। रेटिंग एजेंसी ने ऐसा कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद सुधार की रफ्तार धीमी पड़ने के चलते किया। फिच ने साथ ही कहा कि टीकाकरण में तेजी से कारोबार के स्थायी पुनरुद्धार और उपभोक्ताओं के भरोसे को मजबूती मिलेगी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने एक रिपोर्ट में कहा कि कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बैंकिंग क्षेत्र के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया, ''फिच रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी के अनुमान को 2.8 प्रतिशत घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। हमारा मानना है कि नए प्रतिबंधों ने सुधार के प्रयासों को धीमा कर दिया है और वित्त वर्ष 2021-22 में बैंकों को व्यापार और राजस्व सृजन के लिहाज से मध्यम खराब दृष्टिकोण के साथ छोड़ दिया है।'' फिच का मानना है कि तेजी से टीकाकरण के कारण व्यापार और उपभोक्ता विश्वास में बढ़ोतरी होगी।

बीएसई सेंसेक्स पहली बार 53,000 अंक के पार, टाटा स्टील चार प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। एजेंसी

बीएसई सेंसेक्स (Bse Sensex) बुधवार को 194 अंक उछलकर पहली बार 53,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। मानक सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक में तेजी के साथ बाजार में मजबूती आयी। तीस शेयरों पर आधारित BSE सेंसेक्स 193.58 अंक यानी 0.37 प्रतिशत उछलकर रिकार्ड ऊंचाई 53,054.76 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 61.40 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ अपने सर्वोच्च स्तर 15,879.65 अंक पर बंद हुआ।

सबसे अधिक लाभ में टाटा स्टील

सेंसेक्स के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में टाटा स्टील का शेयर रहा। इसके अलावा, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स और सन फार्मा में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ टाइटन, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा समेत अन्य शेयर नुकसान में रहें।

मेटल शेयरों ने किया कमाल

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन के अनुसार, ''दोपहर के कारोबार में धातु शेयरों की अगुवाई में बाजार में तेजी लौटी। मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर भी निवेशकों में रुचि है क्योंकि निजी क्षेत्र के छोटे बैंकों में तेज गतिविधियां देखने को मिली।'

पेज इंडस्ट्रीज में तेजी

घरेलू शेयर बाजार में तेजी के मद्देनजर आज बुधवार को पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में 1.26 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके बाद दोपहर 2:00 बजे के शेयर 30652 को पार कर गए। इससे पहले शुरुआत में पेज इंडस्ट्रीज के शेयरों में गैप डाउन स्टार्ट देखा गया था। दोपहर 2:00 बजे तक पेज इंडस्ट्रीज के 1054 शेयरों की खरीदारी हुई जिनमें 3.2 करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ। पेज इंडस्ट्रीज के शेयर इस समय 100 से अधिक के पीई मल्टीपल पर कारोबार कर रहे हैं। Page Industries का प्राइस टू बुक वैल्यू रेशों 23 के पार चला गया है।

एशियाई बाजार का हाल

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग, सियोल और तोक्यो नुकसान में रहे जबकि शंघाई में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 75.75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

डीजल पेट्रोल के भाव में लगी आग

दिल्ली (NCT Delhi) और पश्चिम बंगाल में मध्य प्रदेश (श्इ) और राजस्थान (Rajasthan) जैसे राज्यों की तुलना में पेट्रोल पर वैट (Value Added Tax) कम है। इसलिए वहां मंगलवार तक पेट्रोल के दाम (Petrol Price) 100 रुपये प्रति लीटर के पार नहीं हुए थे। सरकारी तेल कंपनियों (Oil PSUs) ने आज पेट्रोल में जहां 35 पैसे की भारी बढ़ोतरी की वहीं डीजल के दाम भी 17 पैसे प्रति लीटर बढ़ा दिए। इससे दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों में भी आज पेट्रोल 100 रुपये से ऊपर चला गया। बुधवार को दिल्ली के बाजार (Delhi Market) में इंडियन ऑयल (IOC) के पंप पर पेट्रोल 100.21 रुपये प्रति लीटर पर चला गया। यहां डीजल भी 89.53 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

देश में नॉन अल्कोहलिक या लो अल्कोहलिक वेवरेजेज का इसलिए बढ़ गया है क्रेज

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

ब्रिटिश जिन और टॉनिक मिक्सर आयात करने वाले मुंबई के करण जैन इन दिनों लगातार फोन पर बातचीत कर रहे हैं। वह नॉन अल्कोहलिक बियर मंगाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। नॉन अल्कोहलिक बियर की डिमांड इन दिनों काफी तेजी से बढ़ रही है। जैन की कंपनी सिर्फ 3 साल पुरानी है, लेकिन उनका बिजनेस इतना बेहतर कभी नहीं था। देश के बड़े शहरों में नॉन अल्कोहलिक और लो अल्कोहल बेवरेजेस की डिमांड तेजी से बढ़ रही है।

कोरोना संकट की वजह से देश भर में बार और रेस्तरां बंद कर दिए गए थे। इस अवधि में एडल्ट शॉर्ट बेवरेजेस कैटेगरी के नाम से जाने जाने वाले नॉन अल्कोहलिक या लो अल्कोहलिक

बेवरेजेस इस अवधि में बहुत तेजी से फल-फूल रहा है।

सालाना 17.6 फीसदी की वृद्धि

पिछले करीब डेढ़ साल से देश के कई इलाके में कोरोना संक्रमण की वजह से बार और रेस्तरां बंद हैं। इस अवधि में नॉन अल्कोहलिक बेवरेजेस की डिमांड काफी तेजी से बढ़ रही है। उद्योग जगत के जानकारों का कहना है कि इस अवधि में जिन की बिक्री में भी काफी उछाल आया है। नॉन अल्कोहलिक बेवरेजेस का मार्केट साल 2015 में ?52,400 करोड़ का था और इसमें पिछले साल तक सालाना 17.6 फ़ीसदी की दर से वृद्धि हो रही थी।

एक साल में चार गुना बढ़ा बिजनेस

पिछले 1 साल से जैन की कंपनी का कारोबार 4 गुना तेजी से बढ़ रहा है। अब वह फ्रैंकलीन एंड संस जैसे ब्रांड के मिक्सर और ड्रिंक बेचते हैं। फ्रैंकलीन एंड संस टॉनिक और लैमनेड आदि बनाती है। लोग घर पर कुछ बढ़िया चीज पीना चाहते हैं और उसके लिए वह खुशी-खुशी पैसे चुकाने को तैयार हैं। जैन की कंपनी का औसत ऑर्डर साइज ?4500 तक जा चुका है। जैन ने कहा, 'हमारी कंपनी का कारोबार पिछले 1 साल में बहुत तेजी से बढ़ा है। मार्च और अप्रैल 2020 में जब देश में लॉकडाउन किया गया था उसके बाद से कारोबार बहुत तेज हुआ है। साल 2020 के पहले नॉन अल्कोहलिक ड्रिंक ऑफलाइन बेचे जाते थे, उसके बाद से ऑनलाइन ड्रिंक बेचने का कारोबार तेज हुआ है।'

बिजली की अधिकतम मांग मंगलवार को रिकार्ड 1,97,060 मेगावाट पहुंची

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश में बिजली की मांग मंगलवार को अबतक के सर्वोच्च स्तर 1,97,060 मेगावाट पहुंच गयी। कई राज्यों में मानसून में देरी से पारा चढ़ने तथा कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये लगायी गयी पाबंदियों में ढील से आर्थिक गतिविधियां बढ़ने के साथ बिजली की मांग बढ़ी है। बिजली मंत्री आर के सिंह ने ट्विटर पर लिखा है, "आज (मंगलवार) बिजली की अधिकतम मांग पूर्वाह्न 11.43 मिनट पर सर्वोच्च स्तर 1,97,060 मेगावाट पहुंच गयी। हम निकट भविष्य में इसके 2,00,000 मेगावाट पहुंचने को लेकर उत्सुक हैं।" बिजली मंत्रालय के अनुसार मंगलवार को पूर्वाह्न 11.43 बजे बिजली की अखिल भारतीय मांग अब तक सर्वोच्च स्तर 1,97,060 मेगावाट पहुंच गयी। यह मांग पूरी की गयी। मंत्रालय ने कहा कि पांच जुलाई का आंकड़ा इससे पहले 30 जून को रिकार्ड 1,91,510 मेगावाट को पार कर गया है। विशेषज्ञों ने कहा कि मानसून में देरी के कारण कई राज्यों में अत्यधिक गर्मी तथा कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिये लगायी गयी पाबंदियों में ढील से बिजली मांग बढ़ी है। पिछले महीने बिजली की अधिकतम मांग या अधिकतम आपूर्ति 30 जून को सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 1,91,510 मेगावाट पहुंच गयी थी। इससे पहले, जून 2020 में बिजली की अधिकतम मांग 1,64,980 मेगावाट थी। बिजली की अधिकतम मांग जून 2019 में 1,82,450 मेगावाट थी।

गेहूं उत्पादों के खपत प्रतिरूप का दायरा बढ़ाने की जरूरतः नीति सदस्य

नयी दिल्ली। एजेंसी

नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने मंगलवार को कहा कि गेहूं उत्पादों के उपभोग के प्रचलित तरीकों के विविधीकरण की काफी गुंजाइश है। उन्होंने उद्योग से घरेलू के साथ-साथ निर्यात बाजारों के लिये बेकरी (ब्रेड आदि) समेत नये उत्पाद लाने की जरूरत पर बल दिया। गेहूं उत्पाद संवर्धन सोसाइटी के वेबिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल संसद में पारित तीनों कृषि कानून किसानों के हित में हैं। गौरतलब है कि इन तीनों कृषि कानून के खिलाफ मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हजारों किसान पिछले साल नवंबर के अंत से दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान संगठन तीनों कानून को निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने तीनों कानून के क्रियान्वयन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है और समाधान निकालने को लेकर एक समिति का गठन किया है।

चंद ने कहा, "गेहूं उत्पादों की हमारी खपत ज्यादा व्यापक नहीं है। गेहूं उत्पादों की खपत के विविधीकरण की बहुत गुंजाइश है।"उन्होंने कहा कि हम भारतीय गेहूं का उपयोग ज्यादातर आटा के रूप में करते हैं। गेहूं के दूसरे उत्पादों पर खर्च बहुत कम है। चंद ने कहा कि घरेलू के साथ-साथ निर्यात बाजारों के लिये नये उत्पाद खासकर बेकरी उत्पाद पेश करने की जरूरत है।

नीति आयोग के सदस्य ने यह भी कहा कि गेहूं की फसल प्रकृति का एक बड़ा उपहार है।चंद ने कहा कि अन्य देशों की तुलना में भारत में गेहूं के उत्पादन की लागत भी बहुत कम है, जबकि गेहूं की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लगभग 2,000 रुपये प्रति क्विंटल है। अतः यह अन्य फसलों की तुलना में सबसे अधिक लाभकारी है। हालांकि उन्होंने यह साफ किया कि वह किसानों के लिये अधिक एमएसपी के खिलाफ नहीं हैं। देश में कुपोषण दूर करने के लिए चंद ने कहा कि गेहूं को अधिक पोषक तत्वों से युक्त कर लोगों को जरूरी पोषक तत्व उपलब्ध कराये जा सकते हैं।

सार्वजनिक उपक्रम का अब अलग मंत्रालय नहीं, वित्त मंत्रालय के एक विभाग के रूप में काम करेगा

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में एक समय सार्वजनिक उपक्रमों (Public Enterprises) की धूम थी। यही वजह था सरकार ने इसके लिए एक अलग मंत्रालय (Ministry) बनाया था। इस मंत्रालय में केबिनेट रैंक के मंत्री (ग्ग्ह्ल श्ग्ह्ल्) होते थे। लेकिन अब सरकार ने इस मंत्रालय को खत्म करने का फैसला किया है। हालांकि सार्वजनिक उपक्रम विभाग (Public Enterprises Department) बना रहेगा और यह वित्त मंत्रालय (Finance Ministry) के एक विभाग के रूप में काम करेगा।

निविवेश कार्यक्रमों को हवा देने के लिए किया गया है ऐसा!

बताया जाता है कि सरकार ने अपने महत्वाकांक्षी विनिवेश कार्यक्रम (Disinvestment Program) को सुविधाजनक बनाने के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग (DPE) को वित्त मंत्रालय के तहत किया है। इससे पहले भारी उद्योग और सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय हुआ करता था। इसमें दो विभाग थे। पहला भारी उद्योग विभाग और दूसरा सार्वजनिक उपक्रम विभाग। अब सार्वजनिक उपक्रम विभाग को वित्त मंत्रालय के अधीन कर दिया गया है और भारी उद्योग विभाग एक स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में काम करेगा।

कैबिनेट सचिवालय द्वारा छह जुलाई 2021 को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, "वित्त मंत्रालय में उप-शीर्षक (5) वित्तीय सेवा विभाग के बाद, निम्नलिखित उप-शीर्षक शामिल किया जाएगा- (6) लोक उद्यम विभाग।" गजट अधिसूचना में कहा गया है कि इन नियमों को भारत सरकार (कार्य का आवंटन) तीन सौ इकसठवां संशोधन नियम, 2021 कहा जा सकता है। इस तरह यह वित्त मंत्रालय के तहत छठा विभाग होगा। यह बदलाव आज दिन में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से पहले किया गया है।

इस साल होना है बड़ा विनिवेश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 के अपने बजट में एक बड़े निजीकरण एजेंडे की घोषणा की थी, जिसमें दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एक सामान्य बीमा कंपनी का निजीकरण शामिल है। इसके अलावा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने और आईडीबीआई बैंक में शेष हिस्सेदारी बेचने का भी प्रस्ताव है। सरकार ने 2021-22 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और वित्तीय संस्थानों में हिस्सेदारी बिक्री से 1.75 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य तय किया है।

महंगाईः सस्ता हो रहा सरसों का तेल पर शुरू हो गया आलू-प्याज-टमाटर का खेल

एक महीने में आटा-चावल के दाम में भी उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना की मार से परेशान आम आदमी को पिछले महीने के मुकाबले खाद्य तेलों की महंगाई से थोड़ी राहत मिली है, लेकिन अभी टूटी कमर थोड़ी सीधी होती कि आलू-प्याज और टमाटर के बढ़ते दाम ने फिर परेशानी में डाल दिया है। इस एक महीने के दौरान आलू 14 फीसद, प्याज 13 फीसद और टमाटर 22 फिसद महंगा हुआ है। जबकि, गेहूं और गेहूं के आटे में करीब 13-13 फीसद की तेजी आई है।

वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 6 जून 2021 के मुकाबले 6 जुलाई 2021 को खाद्य तेलों की कीमतों में डेढ़ फीसद, दालों में डेढ़ फीसद की गिरावट आई है। वहीं चावल के रेट में 5 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। खाद्य तेलों में मामूली गिरावट पर दाम अभी भी पहुंच से बाहर

नासिक में सरसों तेल सबसे महंगा 212 रुपये प्रति किलो के रेट से बिका तो सबसे सस्ता 117 रुपये अहमदाबाद में। पाम ऑयल सबसे महंगा मुरादाबाद में 183 रुपये तो सबसे सस्ता 80 रुपये दीमापुर में बिका। वनस्पति तेल सबसे महंगा मैसूर में 233 रुपये तो सबसे सस्ता 71 रुपये किलो के रेट से जादरचेला में बिका। गंगटोक में सोया तेल सबसे महंगा 196 रुपये पर पहुंच गया तो सबसे सस्ता गोरखपुर में 95 रुपये किलो रहा। सूरजमुखी का तेल बीकानेर में 227 रुपये किलो पहुंच गया तो सबसे सस्ता 115 रुपये गोरखपुर में बिका। मोदी सरकार के उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़े ये बोल रहे हैं। ये आंकड़े 6 जुलाई 2021 के हैं और ये देश में खाद्य तेलों की अधिकतम और न्यूनतम कीमतों की हैं।

इन राशियों के 20 जुलाई से आने वाले हैं अच्छे दिन

20 जुलाई को ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह का राशि परिवर्तन होने जा रहा है। इस दिन मंगल सिंह राशि में प्रवेश कर जाएंगे। मंगल को ऊर्जा, भाई, भूमि, शक्ति, साहस, पराक्रम, शौर्य, गतिशीलता और जीवन शक्ति का कारक ग्रह माना जाता है। 6 सितंबर, 2021 तक मंगल सिंह राशि में ही विराजमान रहेंगे। ज्योतिष में ग्रहों के राशि परिवर्तन को बहुत अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। ग्रहों के राशि परिवर्तन का सभी राशियों पर शुभ- अशुभ प्रभाव पड़ता है। आइए जानते हैं 20 जुलाई से किन राशियों के अच्छे दिन शुरू होने जा रहे हैं।

वृषभ राशि

मंगल गोचर के प्रभाव से वृषभ राशि वालों को नौकरी और व्यापार में तरक्की मिल सकती है। लेन- देन के लिए समय शुभ है। इस दौरान धन- लाभ के भी योग बनेंगे। नया कार्य शुरू करने के लिए समय शुभ है। परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करेंगे। हर कार्य में जल्दबाजी करते हैं ये लोग, बिना सोच- विचार किए करते हैं काम।

मिथुन राशि

मंगल गोचर की अवधि में मिथुन राशि वालों का भाग्य साथ देगा। नौकरी और व्यापार के लिए मंगल गोचर की अवधि शुभ है।पारिवारिक व वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी। आपके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना होगी। परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करने का अवसर मिलेगा। दांपत्य जीवन में सुख का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक राशि

मंगल के सिंह राशि में गोचर करने से वृश्चिक राशि वालों को लाभ मिलेगा। इस दौरान मान-सम्मान में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में हर किसी पर भी भरोसा करने से बचें। नौकरी और व्यापार के लिए समय शुभ है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। इन लोगों पर कभी नहीं पड़ती है शनि की बुरी नजर, हमेशा रहते हैं शनिदेव मेहरबान

कुंभ राशि

मंगल गोचर कुंभ राशि वालों के लिए शुभ परिणाम लेकर आएगा। व्यापारियों को मंगल गोचर के प्रभाव से मुनाफा होगा। इस दौरान धन लाभ के योग बनेंगे। जीवनसाथी के साथ समय अच्छा बीतेगा। परिवार के सदस्यों का भी पूरा सहयोग प्राप्त करेंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। धन-लाभ होगा। व्यापार के लिए ये समय किसी वरदान से कम नहीं है।

चातुर्मास का महत्व, जानिए 5 खास बातें

चातुर्मास का हिन्दू, जैन और बौद्ध धर्म में खासा महत्व है। तीनों ही धर्म के संत इसका कड़ाई से पालन करते हैं। हिन्दू धर्म के सभी बड़े त्यौहार इन्ही चौमासा के भीतर आते हैं. सभी अपनी मान्यतानुसार इन त्यौहारों को मनाते हैं एवं धार्मिक अनुष्ठान भी करते हैं। वैसे जैन धर्म में चातुर्मास के कई नियम और उपदेश हैं परंतु यहां प्रस्तुत है सामान्य महत्व की 5 बातें।

जैन धर्म का चातुर्मासः

1. चातुर्मास में सभी जैन संत अपनी यात्रा रोक देते हैं और मंदिर, आश्रम या संत निवास पर ही रहकर यम और नियम का पालन करते हैं। जैध धर्म के अनुसार यह चार माह व्रत, साधना और तप के रहते हैं। इस दौरान सख्त नियमों का पालन करना चाहिए।

2. जैन धर्म के अनुयायी इन चार माह में मंदिर जाकर धार्मिक अनुष्ठान, पूजा आदि करते हैं या सभी जैन धर्मी गुरुवरों एवं आचार्यों द्वारा सत्संग का लाभ प्राप्त करते हैं। संतों द्वारा मनुष्यों को सद्मार्ग दिखाया जाता हैं। यह हर तरह की जिज्ञासा और इच्छाओं को शांत करने के माह होते हैं और यही वह चार माह है जबकि धर्म को साधा या जाना जा सकता है।

3. जैन धर्म में आमजनों को इन चार माह में संयमपूर्वक करने का उपदेश है। उक्त चार माह में किसी भी प्रकार से क्रोध नहीं करते हैं और संयम का पालन करते हैं। इन 4 महीनों में व्यर्थ वार्तालाप, अनर्गल बातें, गुस्सा, ईर्ष्या, अभिमान जैसे भावनात्मक विकारों से बचने की कोशिश की जाती है।

4. चातुर्मास में सभी भौतिक सुख-सविधाओं का त्याग कर के संयमित जीवन बीताया जाता है। पंखा, कूलर और अन्य सुख-सुविधाओं के साधनों के साथ ही टीवी और मनोरंजन की चीजों से दूरी बना ली जाती है। इन 4 महीनों में सफाई और जीव हत्या से बचते हुए सिर्फ घर पर बना भोजन ही किया जाता है।

5. चातुर्मास में ही जैन धर्म का सबसे प्रमुख पर्व पर्युषण पर्व मनाया जाता है। यदि वर्षभर जो विशेष परंपरा, व्रत आदि का पालन नहीं कर पाते वे इन 8 दिनों के पर्युषण पर्व में रात्रि भोजन का त्याग, ब्रह्मचर्य, स्वाध्याय, जप-तप मांगलिक प्रवचनों का लाभ तथा साधु-संतों की सेवा में संलिप्त रह कर जीवन सफल करने की मंगलकामना कर सकते हैं।

कब है हलहारिणी अमावस्या, इन उपायों से होगा जीवन खुशहाल

हिन्दू धर्म में आषाढ़ मास में पड़ने वाली हलहारिणी अमावस्या का बहुत माना जाता है। इस वर्ष शुक्रवार, 9 जुलाई 2021 को हलहारिणी अमावस्या मनाई जाएगी। किसानों के लिए यह शुभ दिन है। यह दिन किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि आषाढ़ मास में पड़ने वाली इस अमावस्या के समय तक वर्षा ऋतु का आरंभ हो जाता है और धरती भी नम पड़ जाती है। फसल की बुआई के लिए यह समय उत्तम होता है। इसे आषाढ़ी अमावस्या भी कहा जाता है। हलहारिणी अमावस्या के दिन हल पूजन इसी बात का प्रतीक है। इसे मनाने का उद्देश्य यह है कि किसी भी शुभ काम का आरंभ भगवान की आराधना, पूजन और धन्यवाद करते हुए आरंभ करना चाहिए। रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं का भी उचित सम्मान करना चाहिए। इस दिन किसान विधि-विधान से हल का पूजन करके हरी-भरी फसल बनी रहने के प्रार्थना करते हैं ताकि घर में अन्न-धन की कमी कभी भी महसूस न हो। इस दिन हल पूजन तथा पितृ पूजन का विशेष महत्व है। इस दिन पितृ निवारण के लिए निम्न उपाय करने से जीवन के समस्त कष्ट दूर होते हैं।

जानें हलहारिणी अमावस्या के खास उपाय

1. अमावस्या के दिन भूखे प्राणियों को भोजन कराने का विशेष महत्व है।

2. अमावस्या की रात्रि अगर आप काले कुत्ते को तेल चुपड़ी रोटी खिलाते हैं और उसी समय वह कुत्ता यह रोटी खा लेता है तो इस उपाय से आपके सभी दुश्मन उसी समय से शांत होना शुरू हो जाएंगे।

3. रुद्राभिषेक, पितृदोष शांति पूजन और शनि उपाय करने से जीवन के सभी कष्ट समाप्त हो जाएंगे।

4. इस दिन काली चींटियों को शकर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप-कर्मों का क्षय होगा और पुण्य-कर्म उदय होंगे। यही पुण्य-कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

5. अमावस्या के दिन सुबह स्नान आदि करने के बाद आटे की गोलियां बनाएं। गोलियां बनाते समय भगवान का नाम लेते रहें। इसके बाद समीप स्थित किसी तालाब या नदी में जाकर ये आटे की गोलियां मछलियों को खिला दें। इस उपाय से आपके जीवन की अनेक परेशानियों का अंत हो सकता है।

वास्तु अनुसार ये 7 प्राणियों की धातु प्रतिमा रखी जाती है घर में

घर में कई तरह की प्रतिमाएं होती हैं जिसमें से कुछ वास्तु अनुसार होती है और कुछ नहीं। जो नहीं होती है उसके नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। आओ जानते हैं कि वास्तु अनुसार कौनसे 7 प्राणियों की प्रतिमा घर में रख सकते हैं।

1. हाथी की मूर्ति : घर में आप हाथी की मूर्ति रख सकते हैं। यह मूर्ति ठोस चांदी की या पीतल की होना चाहिए। हाथी ऐश्वर्य का प्रतीक है। शयनकक्ष में पीतल की प्रतिमा रखने से पति पत्नी के बीच मतभेद खत्म होते हैं और चांदी का हाथी रखने से राहु संबंधी सभी दोष दूर रहो जाते हैं। यह पंचम और द्वादश में बैठे राहु का उपाय है। फेंगशुई अनुसार भी हाथी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से सकारात्मक उर्जा के साथ-साथ धन प्राप्ति के स्रोत बनते हैं।

2. हंस की मूर्ति : घर में अतिथि कक्ष में हंस के जोड़ों की मूर्ति स्थापित करें जिससे अपार धन समृद्धि की संभावनाएं बढ़ जाएगी और घर में हमेशा शांति बनी रहेगी। दो हंसों के जगह आप दो बत्तख या दो सारस के जोड़े की मूर्ति भी लगा सकते हैं। इससे दांपत्य जीवन में भी सामंजस्य बना रहता है।

3. कछुआ : फेंगशुई के अनुसार घर में कछुआ रखने से उन्नती के साथ ही धन-समृद्धि का योग बनता है। इसे रखने से आयु भी लंबी होने की मान्यता है। पूर्व और उत्तर दिशा कछुए की स्थापना हेतु सर्वोत्तम मानी गई है। ड्राइंग रूम में कछुआ रख सकते हैं किसी पात्र में जल भरकर। कछुआ धातु का होना चाहिए लकड़ी का नहीं।

4. तोता की मूर्ति : वास्तु के अनुसार तोते की मूर्ति या तस्वीर को अध्ययन कक्ष में रखना चाहिए या जहां बच्चे पढ़ाई करते हैं वहां रखना या लगाना चाहिए। तोता पालना नहीं चाहिए बल्की उसी तस्वीर या प्रतिमा घर में रखने से फायदा होता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा में तोते की तस्वीर को लगाने से पढ़ाई में बच्चों की रुचि बढ़ती है, साथ ही उनकी स्मरण क्षमता में भी इजाफा होता है। तोता प्रेम, वफादारी, लंबी आयु और सौभाग्य का प्रतीक होता है। अगर आप घर में बीमारी, निराशा, दरिद्रता और सुखों का अभाव महसूस कर रहे हैं तो तोते का चित्र या मूर्ति घर में स्थापित करें। पति और पत्नी में प्रेम संबंध स्थापित करने के लिए भी फेंगशुई के अनुसार तोते के जोड़े को स्थापित किया जाता है। फेंगशुई के अनुसार तोता 5 तत्वों का संतुलन स्थापित करने में मददगार साबित होता है। तोते के रंग-बिरंगे पंख वास्तव में पृथ्वी, अग्नि, जल, लकड़ी और धातु के प्रतीक हैं। तोता सौभाग्य की वृद्धि करता है।

5. मछली की मूर्ति : कई लोग घर में एक्वेरियम में मछली पालते हैं परंतु उससे ज्यादा बेहतर होता है मछली की पीतल या चांदी की मूर्ति बनवाकर घर में रखना। वास्तु और फेंगशुई दोनों के अनुसार यह मूर्ति घर में खुशहाली और शांति को कायम करके उन्नती के रास्ते खोलती है। मछली अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, धन और शक्ति का प्रतीक है। इस मूर्ति को आप अपने घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही रख सकते हैं।

6. गाय बछड़े की मूर्ति : बहुत से घरों में बछड़े को दूध पिला रही कामधेनु गाय की पीतल की मूर्ति होती है। गाय की मूर्ति रखने से संतान प्राप्ति के साथ ही मानसिक शांति मिलती है। फेंगशुई में भी इसका महत्व बताया गया है। पढ़ाई में एकाग्रता के लिए भी इस मूर्ति को गर में स्थापित करते हैं।

7. ऊंट की मूर्ति : ऊंटी की मूर्ति भी घर में रखने का प्रचलन है। ऊंटों के जोड़े की मूर्ति को ड्राइंगरूम या लिविंग रूम में उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर रखा जाता है। ऊंट कठिन परिश्रम का प्रतीक है। करियर में उन्नती हेतु या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ऊंटों की मूर्ति या तस्वीर रखी जाती है। यह मन को स्थिर रखकर सफलता प्रदान करता है। परिवार के लोग मानसिक रूप से सुदृढ़ और रिलैक्स रहते हैं।

बहुप्रतीक्षित एसयूवी स्कॉडा कुशक का सद्गुरु स्कॉडा पर लॉन्च

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कार निर्माता कंपनी स्कॉडा के प्रमुख अग्रणी डीलर सद्गुरु स्कॉडा ने 'इंडिया 2.0 प्रोजेक्ट' के तहत बहुप्रतिक्षित एसयूवी-स्कॉडा कुशक को 10.49 लाख रुपए की बेहद आकर्षक एक्स-शोरूम कीमत पर बाजार में उतारा है। इस इस अवसर पर श्री अमित छाबड़ा, रीजनल हेड एवं श्री विकट बनोडकर, एएसएम ने बताया की स्कॉडा ऑटो इंडिया के लिए कुशक का लांच करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि इसके साथ ही हमने मोटर वाहनों के निरंतर प्रगतिशील बाजार के सबसे रोमांचक सेगमेंट में से एक में प्रवेश किया है। कुशक का निर्माण उन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जो वास्तव में हमारे ग्राहकों के लिए मायने रखते हैं, साथ ही इसे स्थानीय तौर पर और भारतीय बाजार के अनुरूप बनाया गया है। बेहद प्रसंशीत MQB-A0-IN प्लेटफार्म पर निर्मित कुशक को शानदार ढंग से डिजाइन किया गया है, जो दमदार, सुगठित, सुरक्षित, अधिक जगह वाला, विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित और भविष्य के लिहाज से समय की कसौटी पर खरा है। हम पूरी रेंज में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध ऊएघ टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराएंगे, ताकि प्रदर्शन, दक्षता, संशोधन और, आउटपुट का सर्वश्रेष्ठ संयोजन प्रस्तुत किया जा सके।

कुशक दिखने में बेहद दमदार एवं सुगठित है, जो पूरी तरह से भारतीय एसयूवी खरीदारों की पसंद के अनुरूप है। इस वाहन का इंटीरियर खूबसूरती और आधुनिकता का बेजोड़ समिश्रण है, साथ ही इसमें ड्राइविंग को आसान बनाने के लिए ब्रांड के बेहद खास 'सिम्पली क्लेवर' सॉल्यूशन भी मौजूद है। कुशक के सभी वेरिएंट में मानक के रूप में ईएससी (ESC) के साथ-साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर सुरक्षा के शानदार फीचर्स मौजूद हैं।

कुशक अपने मनमोहन डिजाइन, उम्दा प्रदर्शन, बेहतर निर्माण गुणवत्ता, उत्कृष्ट सुरक्षा और कई सिम्पली क्लेवर सॉल्यूशंस के साथ दूसरे वाहनों से बिल्कुल अलग है। पूरी दुनिया में सम्मान पाने वाली टेक्नोलॉजी से संचालित यह वाहन 2 इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है: 1.0L और 1.5L TSI जो क्रमशः 115PS और 150PS का पावर उत्पन्न करता है।

ट्रांसमिशन विकल्प : 6 -स्पीड स्पीड मैन्युअल, 6 -स्पीड स्पीडऑटोमेटिक और 7-स्पीड DSG

तीन ड्रीम्स की पेशकश : एक्टिव, एंबीशन और स्टाइल

5 रंगों के विकल्पों के में उपलब्धः हनी ऑरेंज, टॉरनेडो रेड, कैंडी व्हॉइट, रिफ्लेक्स सिल्वर और कार्बन स्टील।

4 साल /100000 किलोमीटर की वारंटी, तथा 6 साल /150000 किलोमीटर एक्सटेंडेड वारंटी के साथ 'मन की पूरी शांति' प्रदान करता है

दूरदराज के क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओ के लिए वीसैट के जरिये सैटेलाइट कनेक्टिविटी को मंजूरी

नयी दिल्ली। एजेंसी

डिजिटल संचार आयोग (डीसीसी) ने वीसैट टर्मिनल के जरिये दूरसंचार नेटवर्क में सैटेलाइट कनेक्टिविटी के इस्तेमाल के प्रावधान को मंजूरी दे दी है। डीसीसी (पूर्व में दूरसंचार आयोग) की इस मंजूरी से ऐसे दूरदराज के क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी, जहां ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाना मुश्किल है। दूरसंचार सचिव अंशु प्रकाश ने सोमवार को यह जानकारी दी। दूरसंचार सचिव ने प्रकाश ने कहा कि डीसीसी ने 19,041 करोड़ रुपये के व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के साथ सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) में 16 राज्यों के गांवों में ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए भारतनेट परियोजना शुरू करने के लिए अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) को भी मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, ''कारोबार सुगमता को डीसीसी ने दूरसंचार सेवाओं के लिए वीसैट के जरिये सैटेलाइट से सेल्युलर बैकहॉल कनेक्टिविटी के प्रावधान को भी मंजूरी दे दी।''

प्रकाश ने कहा कि इससे दूरसंचार कंपनियां ऐसे दूरदराज के क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध करा पाएंगी जहां ऑप्टिकल फाइबर बिछाना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 16 राज्यों में 19,041 करोड़ रुपये के वीजीएफ के साथ भारतनेट परियोजना को मंजूरी के एक सप्ताह के अंदर ही डीसीसी ने परियोजना के लिए आरएफपी को हरी झंडी दे दी। प्रकाश ने कहा कि दूरसंचार विभाग 16 राज्यों में पीपीपी मॉडल में भारतनेट को शुरू करने के लिए सात दिन में निविदा जारी करेगा।

मात्र 99 रुपए में लॉन्च हुई एयरटेल की सिक्योर इंटरनेट सर्विस

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

एयरटेल एक्सस्ट्रीम फाइबर ने मंगलवार को ग्राहकों को मैलवेयर, अधिक जोखिम वाली वेबसाइटों और ऐप्स को ब्लॉक करने में मदद करने के लिए सिक्योर इंटरनेट लॉन्च किया। ये ऑनलाइन सर्विस 'वाईफाई' के माध्यम से एयरटेल एक्सस्ट्रीम फाइबर से जुड़े सभी डिवाइसेज के लिए एयरटेल के नेटवर्क सिक्योरिटी सिस्टम का लाभ उठाकर साइबर खतरों को रोकेगी। कंपनी का कहना है कि 'सिक्योर इंटरनेट' ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों के लिए रिमोट से काम करने से लेकर अलग-अलग सिक्योरिटी मोड की पेशकश करेगा। चाइल्ड सेफ एंड स्टडी मोड ग्राहकों को अनचाहे, वयस्क या ग्राफिक सामग्री वाली वेबसाइटों और एप्लिकेशन को ब्लॉक करने की अनुमति देगा जो बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं हैं, जिससे उन्हें समाज के विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लिए ऑनलाइन खतरों से बचाया जा सके।

एयरटेल इंटरनेट सिक्योर सभी एयरटेल एक्सस्ट्रीम फाइबर ग्राहकों के लिए 99 रुपए के मंथली सब्सक्रिप्शन पर उपलब्ध होगा और ये सर्विस 30 दिनों के कॉम्प्लीमेंटरी ट्रायल के साथ आती है जिसके बाद इसे बिल किया जाएगा। एयरटेल थैंक्स ऐप के जरिए सर्विस को आसानी से एक्टिवेट या डिएक्टिवेट किया जा सकता है।

CERT-In द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2020 के दौरान साइबर अटैक्स में 300 प्रतिशत की वृद्धि देखी। छठी एनुअल नॉर्टन साइबर सेफ्टी इनसाइट्स रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 12 महीनों में लगभग 59 प्रतिशत भारतीय वयस्क साइबर अपराध का शिकार हुए हैं। अपने ग्राहकों के लिए इन बड़ी उभरती चुनौतियों को हल करने के लिए, एयरटेल नोट करता है कि इसकी सुरक्षित इंटरनेट सर्विस ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों के लिए रिमोट वर्किंग से लेकर ऑनलाइन कक्षाओं तक कई सिक्योरिटी मोड प्रदान करेगी।

इंटरनेट का सुरक्षित होना बेहद जरूरी

भारती एयरटेल के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर ने कहा, 'हम, एयरटेल में, अपने ग्राहकों के लिए नवाचार के माध्यम से बेहतर और सुरक्षित डिजिटल अनुभव बनाने के लिए तत्पर हैं। महामारी के साथ काम और बच्चों की पढ़ाई सभी ऑनलाइन हो गई है। ब्रॉडबैंड की स्पीड और विश्वसनीयता के साथ-साथ सिक्योरिटी अब ग्राहकों के लिए एक प्रमुख आवश्यकता है। सुरक्षित इंटरनेट हमारे ग्राहकों के लिए इंटरनेट को सुरक्षित बनाने के लिए सक्रिय करने में आसान और अत्यधिक प्रभावी समाधान है।

लॉन्च होगी सबसे दमदार इलेक्ट्रिक स्कूटर

240km की ड्राइविंग रेंज और मिनटों में होगी चार्ज

बेंगलुरु। एजेंसी

बेस्ड इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता कंपनी सिंपल एनर्जी ने अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर के नाम का खुलासा किया है जिसे आधिकारिक तौर पर 15 अगस्त, 2021 को लॉन्च किया जाएगा। जैसा कि ब्रांड द्वारा बताया गया है कि इस आने वाले नए स्कूटर को 'Simple One' कहा जाएगा और कंपनी ने इसके लिए पहले से ही ट्रेडमार्क फाइल कर दिया है। अब तक इस स्कूटर को इसके कोडनेम 'मार्क 2' के नाम से जाना जाता था, और इसे कई अलग-अलग मौकों पर टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया था।

हालांकि, सिंपल एनर्जी ने पहले ही इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के बारे में कुछ डिटेल्स का खुलासा किया था। इस स्कूटर की सबसे खास बात इसका ड्राइविंग रेंज है, दावा किया जा रहा है कि ये स्कूटर सिंगल चार्ज में 240 किलोमीटर तक का ड्राइविंग रेंज देगी। बाजार में आने के बाद ये स्कूटर मुख्य रूप से एथर 450एक्स, बजाज चेतक और टीवीएस आईक्यूब और Ola की आने वाली नई स्कूटर को टक्कर देगी।

जानकारी के अनुसार कंपनी ने इस स्कूटर में 4.2 kWh की क्षमता का पैक प्रयोग किया गया है, जो कि 9.4 hp की पावर और 72 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। इस स्कूटर की टॉप स्पीड 103 किलोमीटर प्रतिघंटा है और पिक-अप के मामले में भी यह स्कूटर बेहद ही खास है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह स्कूटर महज 3.6 सेकेंड में ही जीरो से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है।

जहां तक लुक की बात है तो इस स्कूटर को कंपनी ने स्पोर्टी डिजाइन दिया है, इसमें ट्चस्क्रीन इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और यूएसबी चार्जिंग जैसे फीचर्स दिए जा रहे हैं। ऐसी उम्मीद है कि कंपनी इसमें कनेक्टिविटी फीचर को भी शामिल कर सकती है, जैसा आज कल एडवांस स्कूटरों में देखने को मिल रहा है। हालांकि अभी इसके बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

बताया जा रहा है कि, एग्स्ज्त ध्हा में कंपनी फास्ट चार्जिंग सिस्टम का भी प्रयोग कर रही है। इस स्कूटर को स्कूटर सामान्य घरेलू सॉकेट से ही चार्ज किया जा सकता है। फास्ट चार्जिंग सिस्टम की मदद से ये स्कूटर महज 20 मिनट में 50% और 40 मिनट में 80% तक चार्ज हो जाती है, वहीं इसे

फुल चार्ज होने में तकरीबन 1 घंटा 5 मिनट का समय लगेगा। हालांकि इसके बारे में ज्यादा जानकारी इस स्कूटर के लॉन्च के बाद ही सामने आ सकेगी।

खबर है कि इस स्कूटर को पहले बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में लॉन्च किया जाएगा, इसके बाद कंपनी इसे देश के अन्य शहरों में भी लॉन्च करेगी। जहां तक कीमत की बात है तो कंपनी इस स्कूटर को कम से कम कीमत में लॉन्च करने की कोशिश करेगी, ताकि प्रतिद्वंदियों से मुकाबला थोड़ा आसान हो जाए। उम्मीद की जा रही है कि इस स्कूटर को 1.10 लाख से 1.20 लाख रुपये के बीच लॉन्च कर सकती है।

देश में पहली बार नौ एशियाई शेरों में मिला कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट इंसानों के साथ-साथ जानवरों के लिए भी जानलेवा है। मई में चेन्नई के अरिग्नार अन्ना जूलॉजिकल पार्क में संक्रमित मिले एशियाई शेरों में जीनोम सीक्वेंसिंग से डेल्टा वैरिएंट की मौजूदगी का पता चला है। देश में पहली बार नौ एशियाई शेरों में यह वैरिएंट मिला है। जबकि दो शेर की जान वायरस ने ले ली।

नीला और पथबनाथन नामक शेर-शेरनी की मौत तीन और 16 जून को हुई। इन दोनों की उम्र क्रमशः नौ और 12 साल थी। अभी तक अमेरिका और स्पेन के अलावा चेक गणराज्य के शेर कोरोना संक्रमित मिले थे जिनमें अल्फा वैरिएंट की पुष्टि हुई थी लेकिन डेल्टा वैरिएंट का मामला दुनिया में पहली बार भारत में सामने आया है।

मेडिकल जर्नल बायोरेक्सिव में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि सभी शेर के सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान (आईसीएआर) भेजे गए थे। जहां 11 में से नौ सैंपल में विशेषज्ञों को डेल्टा वैरिएंट मिला। यह सभी बीते मई में कोरोना संक्रमित मिले थे। सीक्वेंसिंग के दौरान ही दो की मौत दर्ज की गई। संक्रमित शेर-शेरनी में भूख न लगना, नाक से खून बहना, खांसी जैसे लक्षण मिले थे। इसके बाद शेरनी- जया, सिंह-शंकर, शेरनी- निरंजना और सिंह-प्रदीप के सैंपल पर अध्ययन आगे बढ़ाया गया। अध्ययन में संक्रमण स्रोत का पता नहीं चला, लेकिन इंसानों की तरह जानवरों में भी

डेल्टा वैरिएंट के तेजी से फैलने की पुष्टि हुई है।

गंभीर है डेल्टा का असर

कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट दुनिया में सबसे पहले महाराष्ट्र में मिला था। अब तक यह 84 से भी अधिक देशों में तबाही मचा चुका है। भारत में भी दूसरी लहर इसकी वजह से देखने को मिली थी। यह वैरिएंट न सिर्फ एंटीबॉडी पर हमला करता है बल्कि वैक्सीन की दोनों खुराक ले चुके व्यक्ति में भी संक्रमण की आशंका को बढ़ा देता है। यह काफी तेजी से फैलता है और सांस लेने में दिक्कत जैसे इसके गंभीर लक्षण हैं। डेल्टा प्लस वैरिएंट भी इसी से निकला है जो फिलहाल 10 से 12 देशों में तबाही मचा रहा है।

मरीज के सैंपल से हुई शेर में पहचान

वैज्ञानिकों ने बताया कि बीते 11 जून तक तमिलनाडु से 310 सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग की जानकारी अंतरराष्ट्रीय पोर्टल पर दी गई थी। शेर के सैंपल लेकर जब सीक्वेंसिंग की गई तो वहां उसी इलाके के एक मरीज का सैंपल काफी मिला जुला सामने आया। हालांकि लॉकडाउन के दौरान चिड़ियाघर बंद होने से एशियाई शेरों में संक्रमण स्रोत का पता नहीं चला लेकिन इतना जरूर पता चला है कि नौ में से सात शेर चिड़ियाघर सफारी से जुड़े हैं इनका आश्रय, भोजन स्थान, जलस्रोत इत्यादि एक ही मिला। जबकि अन्य दो शेर अलग स्थान साझा करते थे। इससे साफ पता चलता है कि इंसानों की तरह शेर भी एक दूसरे के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। यह देश के बाकी चिड़ियाघरों के लिए बेहद गंभीर है।

दो से 18 साल तक के मिले संक्रमित

अध्ययन में जानकारी दी गई कि दो से 18 साल तक की आयु के शेर डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित मिले। शेरनी जया, कविता, नीला, निरंजना, जया की मां भुवाना की आयु क्रमशः तीन, 18, नौ, दो और 12 साल दर्ज की गई। जबकि सिंह पथबनाथन, शंकर, प्रदीप, विष्णु, वीरा और शिवा की उम्र क्रमशः 12,18, दो, चार, 10 और 12 वर्ष मिली।

कोरोनाः एक बार फिर दैनिक मामलों में बढ़ोतरी

बीते 24 घंटे में मिले 43733 नए केस, 930 मरीजों की गई जान

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में कोरोना वायरस के दैनिक मामलों में लगातार गिरावट जारी थी लेकिन बुधवार को सामने आए मामलों ने इस गिरावट पर रोक लगा दी है। मंगलवार के मुकाबले बुधवार को कोरोना वायरस के दैनिक मामलों में नौ हजार मामलों की बढ़ोतरी हुई। बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 43 हजार से ज्यादा मामले सामने आए। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में एक दिन में कोविड-19 के 43,733 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,06,63,665 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी कम होकर 4,59,920 हो गई है।

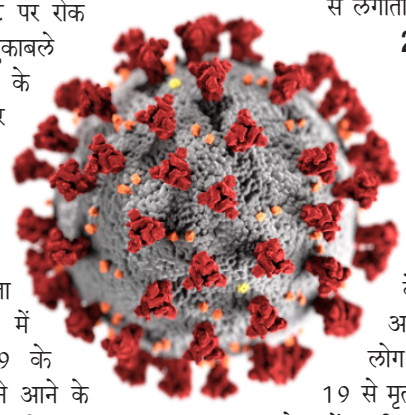

राष्ट्रीय दर 97.18 फीसदी हुई

इसके अलावा देश में पिछले 24 घंटे में 930 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,04,211 हो गई। उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 4,59,920 हो गई, जो कुल मामलों का 1.50 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.18 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, अभी तक कुल 42,33,32,097 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 19,07,216 नमूनों की जांच मंगलवार को की गई। देश में नमूनों के संक्रमित आने की दैनिक दर 2.29 प्रतिशत है। यह पिछले 16 दिनों से लगातार तीन प्रतिशत से कम है।

2.97 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमण मुक्त

नमूनों के संक्रमित आने की साप्ताहिक दर भी कम होकर 2.39 प्रतिशत हो गई है। संक्रमण मुक्त हुए लोगों की संख्या लगातार 55वें दिन भी संक्रमण के नए मामलों से अधिक रही। अभी तक कुल 2,97,99,534 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। कोविड-19 से मृत्यु दर 1.32 प्रतिशत है।

देश में अभी तक कुल 36.13 करोड़ लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की खुराक दी जा चुकी है। आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में जिन 930 लोगों की मौत संक्रमण से हुई, उनमें से महाराष्ट्र के 395, केरल के 142 और कर्नाटक के 92 लोग थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

गाय के गोबर से बने पहले 'खादी प्राकृतिक पेंट' इकाई का उद्घाटन

जयपुर। एजेंसी

सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को गाय के गोबर से बने भारत के पहले और एकमात्र पेंट 'खादी प्राकृतिक पेंट' की जयपुर स्थित नई स्वचालित विनिर्माण इकाई का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने खुद को खादी प्राकृतिक पेंट का 'ब्रांड एंबेसडर' बताते हुए कहा है कि वे इसे देश भर में बढ़ावा देंगे, ताकि युवा उद्यमियों को गोबर से बनने वाले पेंट के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस अवसर पर गडकरी ने 1000 लीटर खादी प्राकृतिक पेंट (500 लीटर डिस्टेंपर और इतना ही इमल्शन) का ऑर्डर भी दिया, जिसका वे नागपुर में अपने आवास पर उपयोग करना चाहते हैं। नया संयंत्र कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट, जयपुर के परिसर में स्थापित किया गया है, जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग की एक इकाई है। इस अवसर पर गडकरी ने कहा कि लाखों करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करना भी इस विनिर्माण इकाई के उद्घाटन करने जितना सुखद और संतोषजनक नहीं है। उन्होंने इस प्रौद्योगिकी नवाचार की सराहना की और कहा कि यह देश में ग्रामीण और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। उन्होंने सफल शोध के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सराहना की।

उन्होंने कहा कि 'खादी प्राकृतिक पेंट' में गरीब से गरीब व्यक्ति के लाभ के लिए सतत विकास पैदा करने की अपार संभावनाएं हैं और हमारा लक्ष्य हर गांव में एक प्रकृतिक पेंट इकाई स्थापित करना होना चाहिए। पहले प्राकृतिक पेंट का निर्माण एक प्रोटोटाइप प्रोजेक्ट के तहत हाथों से किया जा रहा था। नई निर्माण इकाई के चालू होने से प्राकृतिक पेंट की उत्पादन क्षमता दोगुनी हो जाएगी। वर्तमान में प्राकृतिक पेंट का दैनिक उत्पादन 500 लीटर है जो प्रतिदिन 1000 लीटर तक हो जाएगा। खादी विकास और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि नया संयंत्र आधुनिक तकनीक और मशीनरी से लैस है जो गुणवत्ता और एकरूपता के मामले में उत्पाद के उच्चतम मानकों को भी सुनिश्चित करेगा।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे टूटा

मुंबई। एजेंसी

अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कारोबारियों के जोखिम लेने से बचने के चलते रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे टूटकर 74.70 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मजबूत अमेरिकी मुद्रा, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और घरेलू इक्विटी बाजार में कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 74.60 पर खुला और फिर कमजोरी के साथ 74.70 पर आ गया, जो पिछले बंद के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 74.55 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत गिरकर 92.52 पर था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।